arrivals during same month of the previous year. The decline is primarily due to Gulf war.

(b) No precise data on cancellation of bookings by foreign tourists are available as such bookings are done by the travel trade mostly in the private sector both in the country and abroad.

(c) Efforts are being made by the Government through diplomatic channels and also through direct advertising for dispelling the misapprehensions of the prospective visitors in the tourism markets.

(d) As per the information available from the Government of Jammu and Kashmir, the percentage increase/decrease in tourist traffic to the State during the last 2 years is as given below:

	1989	1990
Kashmir Valley		
Domestic	—26.0 (Up to June)	—98.4
Foreign	13.1 (Up to June)	—88.5
Pilgrims to Mata Vaishnodevi Shrine	16.00	— 3.6 (Up to Oct.)

Sale of Dhara oil at Higher prices

75. SHRI CHATURANAN MISHRA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the reports of selling of "DHARA" edible oils at prices higher than fixed by the NDDB in the market; and

(b) if so, what action is being taken against such traders?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI JAYANTILAL VIRCHANDBHAI SHAH): (a) and (b) Yes, Sir. There have been a few cases of such reports. NDDB and the Gujarat Cooperative Milk Marketing Federation Ltd. who are the sole selling agents of "Dhara", monitor Dhara sales very closely. The Gujarat Cooperative Milk Marketing Federation has a large network of sales depots with Field Sales Officers and representatives who constantly monitor the distribution of Dhara through retail outlets. In a situation of such acute shortage such malpractices may occur. Wherever any retailer has been found over-charging for Dhara, strict action has been taken and supplies of Dhara to such retailers have been discontinued immediately. Further NDDB has conducted an advertisement campaign educating consumers about the maximum retail price of different packs of Dhara and requesting consumers not to pay higher prices than the maximum retail price printed on each Dhara pack.

सवाई-माधोपुर राजस्थान में रेल गाड़ियों का रुकना

76. डा० अब्दार अहमद : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस तथ्य की जानकारी है कि राजस्थान की जनता को मुंबई की ओर यात्रा करने के लिए सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन से अपनी गाड़ियां पकड़नी होती हैं, जोकि छोटी और बड़ी रेलवे लाइनों से जुड़ा जंक्शन है ; यदि हां, तो राजधानी एक्सप्रेस, जम्मू तवी और सर्वोदय एक्सप्रेस गाड़ियों के इस जंक्शन पर न रुकने के क्या कारण हैं ;

(ख) क्या पिछले पन्द्रह वर्षों के दौरान दिल्ली और मुंबई के बीच चलने वाली गाड़ियों में से किसी के लिये भी सवाई माधोपुर जंक्शन को नया स्टाप बनाया गया है ; यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या इस अवधि में सवाई माधोपुर से मुंबई की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या में कोई वृद्धि हुई है ; यदि इसमें वृद्धि हुई है तो कितने प्रतिशत और इस संबंध में अन्य ब्यौरा क्या है ; और

(ब) निकट भविष्य में किसी नयी गाड़ी या राजधानी, सर्वोदय या जम्मू तवी एक्सप्रेस गाड़ियों के लिए सवाई-माधोपुर जंक्शन पर स्टाप कब तक बनाया जाएगा ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भक्त चरण दास) : (क) और (ख) जी हां। बम्बई जाने वाली गाड़ियों में से 4 जोड़ी गाड़ियां पहले ही सवाई माधोपुर रुकती हैं। इस स्टेशन पर किसी और गाड़ी को ठहराव देना फिलहाल व्यावहारिक नहीं पाया गया है।

(ग) यातायात में वृद्धि का होना एक निरंतर प्रक्रिया है। सवाई माधोपुर स्टेशन सहित भारतीय रेलों पर वाली यातायात में प्रति वर्ष लगभग 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

(ब) औचित्य पाए जाने पर।

सवाई माधोपुर, राजस्थान में रेल लाइनों का बड़ी लाइनों में बदला जाना

77. डा० अबदार अहमद : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में सवाई-माधोपुर से जयपुर-जोधपुर तक बड़ी लाइन बनाने का काम कब तक शुरू किए जाने की संभावना है और इस संबंध में विलंब के क्या कारण है, क्या इस परियोजना पर अब तक कोई राशि खर्च की गई है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ख) उस पर कुल कितनी राशि व्यय किए जाने की संभावना है और इसके कब तक पूरा हो जाने की संभावना है, क्या मूल्य-वृद्धि का इस परियोजना पर कोई प्रभाव पड़ेगा और इस मूल्य-वृद्धि के कारण इस पर कितनी अतिरिक्त राशि के व्यय की संभावना है तथा इस संबंध में क्या प्रावधान किया गया है; और

(ग) सवाई-माधोपुर रेलवे स्टेशन और इसके प्लेटफार्मों के विस्तार संबंधी योजनाओं का ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भक्त चरण दास) : (क) परियोजना का कार्य शुरू हो गया है। इस पर पहले ही 0.52 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है। 1990-91 के लिए कुल परिव्यय 25 करोड़ रुपये का है।

(ख) सवाई-माधोपुर जयपुर-फुलेरा खंड की वर्तमान दरों के आधार पर कुल लागत 179.73 करोड़ रुपये है और फुलेरा-मेड़ता रोड-जोधपुर की 325.87 करोड़ रुपये है। जयपुर तक लाइन चालू होने की लक्ष्य तारीख 30-6-94 है और शेष भाग का कार्य भी चल रहा है और इस आगामी वर्षों में संसाधनों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए यथा संभव शीघ्र चालू कर दिया जायेगा। इस कार्य पर मूल्य वृद्धि का प्रभाव निश्चित रूप से पड़ेगा और इस पर वर्ष-दर-वर्ष धन की व्यवस्था करते समय विचार किया जायेगा।

(ग) सवाई-माधोपुर स्टेशन पर बड़ी लाइन के अतिरिक्त यातायात की सप्लाई के लिए उपयुक्त परिवर्तन किये जायेंगे।

Progress of Konkan Railway Project

78. SHRI M. A. BABY: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the progress of Konkan Railway project;

(b) the money allocated and utilized till the 31st January, 1991; and

(c) the money earmarked for 1991-92?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI BHAKTA CHARAN DAS):

(a) Contracts for Earth Work and Bridges on Roha-Dasgaon and Mangalore-Udupi section have been awarded.

(b) Against the allocation of Rs. 119 crores for the year 1990-91 a sum of